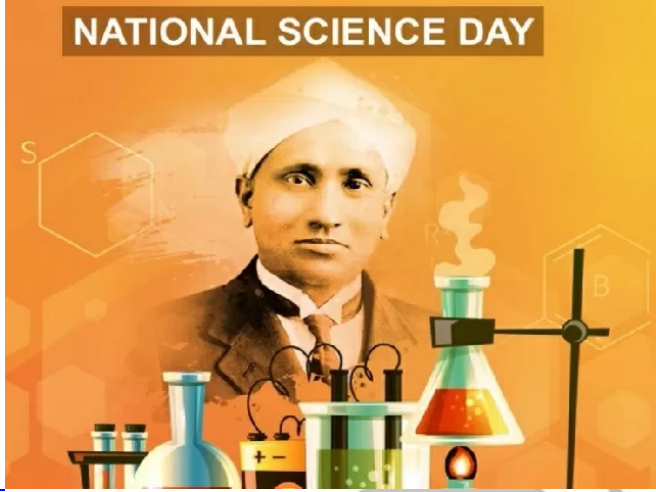


राष्ट्रीय वजिज्ञान दविस 2022

हाल ही में प्रधानमंत्री ने [राष्ट्रीय वजिज्ञान दविस \(28 फरवरी\)](#) के अवसर पर भारत के वैज्जानकि समुदाय को बधाई दी ।



प्रमुख बदि

- वर्ष 1928 में इस दनि नोबेल पुरस्कार वजिता और भौतकि वजिज्ञानी सीवी रमन द्वारा रमन प्रभाव की खोज के उपलक्ष्य में प्रतविर्ष 28 फरवरी को **राष्ट्रीय वजिज्ञान दविस (NSD)** मनाया जाता है ।
 - वर्ष 1986 में, राष्ट्रीय वजिज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद ने भारत सरकार से 28 फरवरी को NSD के रूप में नामति करने के लयि कहा ।
 - वर्ष 1987 से यह आयोजन पूरे देश में स्कूलों, कॉलेजों, विश्वविद्यालयों और अन्य शैक्षणिक, वैज्जानिक, तकनीकी, चकित्सा तथा अनुसंधान में मनाया जाता रहा है ।
- इस दविस को मनाने का उद्देश्य वैज्जानिक सोच को बढ़ाना, वजिज्ञान को लोकप्रिय बनाना और लोगों में वैज्जानिक प्रवृत्तिको बढ़ावा देकर नवीन गतविधियों को प्रोत्साहित करना तथा एक सकारात्मक वैज्जानिक अनुसंधान संस्कृतिका नरिमाण करना है ।
- NSD का समर्थन करने वाली नोडल एजेंसी वजिज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय की राष्ट्रीय वजिज्ञान और प्रौद्योगिकी संचार परिषद (NCSTC) है ।
 - थीम 2022:** "सतत् भवषिय के लयि वजिज्ञान और प्रौद्योगिकी में एकीकृत दृष्टिकोण" (Integrated Approach in science and technology for Sustainable Future) ।
 - इंजीनियरिंग सहति वसितारति वैज्जानिक हस्तक्षेप ।
 - चकित्सा और अन्य संस्थान ।
 - अतरिकित्त वैज्जानिक एकीकरण में जल शक्ति, रेलवे जैसे अन्य मंत्रालयों की जरूरतों की पहचान शामिल है ।
 - वसितारति वजिज्ञान ने स्टार्टअप और उद्योग को एकीकृत करने वाले सभी समावेशी दृष्टिकोण को संचालति कयिा ।
 - थीम एक स्थायी भवषिय के लयि चार गुना एकीकृत दृष्टिकोण पर केंद्रति है जसिमें शामिल हैं:

सी.वी. रमन

- भौतकि वजिज्ञानी चंद्रशेखर वेंकट रमन का जन्म तमलिनाडु में हुआ था ।
- उन्हें वर्ष 1930 में प्रकाश प्रकीरण के क्षेत्र में कार्य हेतु भौतिकी का [नोबेल पुरस्कार](#) दयिा गया ।
- प्रकाश प्रकीरण की इस घटना को रमन प्रभाव का नाम दयिा गया ।
- वर्ष 1954 में उन्हें भारत के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार [भारत रत्न](#) से सम्मानति कयिा गया ।

रामन प्रभाव

- रामन प्रभाव अणुओं द्वारा फोटॉन कणों का एक प्रकीर्णन है जो उच्च कंपन या घूर्णी ऊर्जा स्तरों को प्रोत्साहित करते हैं। इसे रामन स्कैटरिंग भी कहा जाता है।
 - सरल शब्दों में यह **प्रकाश की तरंगदैर्घ्य में परिवर्तन** है जो प्रकाश की किरणों के **अणुओं द्वारा वक्रियेपति होने के कारण** होता है।
 - जब प्रकाश की एक किरण किसी रासायनिक यौगिक के धूल रहित एवं पारदर्शी नमूने से होकर गुजरती है तो प्रकाश का एक छोटा हिस्सा आपतित किरण की दिशा से भिन्न अन्य दिशाओं में उभरता है।
 - इस प्रकीर्णित प्रकाश के अधिकांश हिस्से का तरंगदैर्घ्य अपरिवर्तित रहता है। हालाँकि प्रकाश का एक छोटा हिस्सा ऐसा भी होता है जिसका तरंगदैर्घ्य आपतित प्रकाश के तरंगदैर्घ्य से भिन्न होता है और इसकी उपस्थिति रामन प्रभाव का परिणाम है।
- रामन प्रभाव रामन स्पेक्ट्रोस्कोपी का आधार निर्मित करता है जिसका उपयोग रसायन विज्ञानियों और भौतिकविदों द्वारा सामग्री के बारे में जानकारी प्राप्त करने हेतु किया जाता है।
 - स्पेक्ट्रोस्कोपी पदार्थ और वदियुत चुंबकीय विकिरण के मध्य का अध्ययन है।

स्रोत: पी.आई.बी.

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/national-science-day-2022>

